खालिमपुर ताम्रपत्र लेख

पालनरेश धर्मपाल देव का यह ताम्रपत्र लेख मालदा जिले के खालिमपुर ग्राम से प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख से पालवंश के इतिहास की जानकारी होती है। इस अभिलेख में धर्मपाल की वंशावली तथा उसके राजनीतिक कार्यों का उल्लेख किया गया है। इस अभिलेख की भाषा संस्कृत है एवं अभिलेख को लिखने में कुटिल लिपि का प्रयोग किया गया है। उत्तर भारतीय लिपियों इस लिपि का प्रमुख स्थान था। इस ताम्रपत्र के उपरी भाग पर चक्र के दोनों ओर मृग के चित्र अंकित हैं जो भगवान बुद्ध के धर्मचक्र परिवर्तन का चिन्ह है। पालवंशीय शासक बौद्धधर्म के अनुयायी थे। बौद्ध होते हुए भी उन्होंने वैष्णव मंदिर के लिए दान दिया यह उनकी धार्मिक सहिष्णुता का प्रतीक माना जा सकता है। इस अभिलेख से पता चलता है कि ब्राह्मण धर्म उस समय बंगाल में प्रवेश कर गया था और अभिलेख में उल्लेख है कि लाट देश का ब्राह्मण इस मंदिर का पुरोहित था। महासामंत नारायणदेव के कुमार त्रिभुवनपाल ने यह दान पत्र जारी किया था। दान में दिये गये गाँवों के वर्णन के अतिरिक्त उसने अपने पुर्वजों का विशेषकर धर्मपाल के राजनीतिक कार्यों का सविस्तार उल्लेख किया है। धर्मपाल को परमेश्वर परमभट्टारक, परमसौगत, महाराजाधिराज श्रीमान धर्मदेव कहा गया है। उसी के राज्य काल में पाल साम्राज्य का विकास हुआ उसने राष्ट्रकूट तथा गुर्जर राजाओं को हराकर कन्नौज के सिंहासन पर चक्रायुध को बैठाया। इस लेख की सहायता से धर्मपाल की

Scanned with CamScanner

तिथि निश्चित की जा सकती है। यह दानपत्र उसके अभिषेक के ३५ वें वर्ष जारी किया गया था। इसमें किसी सम्वत् का उल्लेख नहीं है किन्तु महीपाल का एक सम्वत् अभिलेख सारनाथ से प्राप्त हुआ है जिसमें विक्रम सम्वत् 1083 का उल्लेख है जो 1026 ई० के बराबर है। इससे राजाओं के अभिलेखों में विशेष साल का उल्लेख किया गया है। धर्मपाल की तिथि को जानने के लिए महीपाल की तिथि को आधार मानकर चलना होगा। दानपत्र में उल्लेख है कि धर्मपाल ने ३२ वर्ष राज्य किया। उसके उत्तराधिकारी देवपाल ३० वर्ष सूरपाल ३ वर्ष नारायणपाल ५४ वर्ष, राज्यपाल ३६ वर्ष गोपाल II १७ वर्ष, विग्रहपाल ३६ वर्ष तथा महीपाल ४८ वर्ष तक राज्य किये। 1026 को आधार मानकर यदि धर्मपाल की तिथि निर्धारित करें तो 783 ई० धर्मपाल का राज्यारोहण वर्ष होगा।

इस अभिलेख में विष्णु के नामों का भी उल्लेख किया गया है। पालवंश का संस्थापक एवं प्रथम ऐतिहासिक राजा गोपाल था। अभिलेख के अनुसार बंगाल में राजनैतिक गड़बड़ी चारों ओर सुराजकता मत्स्य न्याय का सर्वत्र राज्य जिसके फलस्वरूप गोपाल को अपने रक्षक के रूप में जनता ने चुना। गोपाल के पश्चात् धर्मपाल सिंहासनारूढ़ हुआ जो शक्तिशाली एवं महत्वाकांक्षी हुआ। इसकी तुलना दानपत्र लेख में रघु एवं राम से किया गया है जिसमें राज्यों के नाम दिये गये हैं, भोज, मत्स्य, कुरु, यदु, यवन अवन्ति गांधार और कीर।

खालिमपुर ताम्रपत्र लेख एवं दूसरे लेखों के आधार पर धर्मपाल के राजनीतिक कार्यों को दो भागों में विभक्त किया गया है।

Scanned with CamScanner

सर्वप्रथम धर्मपाल को असफलता ही मिली थी और गुर्जर प्रतिहार राजाओं के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। गंगा और यमुना की घाटी में राष्ट्रकूट राजा ध्रुव ने पराजित किया किन्तु इन पराजय के बाद उस समय के पश्चात उत्तर भारत का सर्वशक्तिमान शासक बन धर्मपाल हो गया धर्मपाल ने राष्ट्रकूट एवं गुर्जर राजाओं पर अधिकार कर कान्यकुब्ज पर अधिकार कर लिया जो उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

मिहिर भोज के ग्वालियर अभिलेख में धर्मपाल की धार्मिक सफलताओं का उल्लेख किया गया है। इस अभिलेख में धर्मपाल की चार अंगोवाली शक्तिशाली सेना का उल्लेख है। मिहिर भोज के अतिरिक्त उत्तर भारत के सभी शासक उसके प्रभुत्व को स्वीकार कर लिये थे। लामा तारानाथ ने उल्लेख किया है कि धर्मपाल का राज्य कामरूप गौड़ से तिरहुत तक पूरब में गंगासागर से मालवा और उत्तर में गांधार तक विस्तृत था। इन सभी विजयों के पश्चात उसने परमेश्वर की उपाधि धारण की थी इस लेख में धर्मपाल को धर्मविजयी राजा कहा है।

इस लेख से धर्मपाल की शासन व्यवस्था का पता चलता है। गाँवों के मंदिर के लिए दान दिया गया उसकी सीमा का वर्णन किया एवं पदाधिकारियों की सूची दी गयी जिन्हें इन दान के सम्बन्ध में सूचित दी गयी। ये सभी पदाधिकारी शासन व्यवस्था के प्रमुख थे। इन नामों को हम नालन्दा लेख में भी पाते हैं।

(1) राजराजानक

(2) राजपुत्र (3) राजामात्य (4) सेनापति (5) विषयपति (6) भोगपति (7) राष्ट्राधिकृत (8) दंडशक्ति एवं दंडपाशिक पाशिक थे सभी राजा के अधिकारी थे ताम्रपत्र अभिलेख में ग्राम शासन का उल्लेख किया गया था। ग्राम स्वतन्त्र ईकाई थी ग्राम पंचायत का मुखिया महत्तर कहलाता था। केन्द्रीय पदाधिकारी ग्रामपदाधिकारियों से परामर्श लेकर उन गाँवों को देने का अधिकार था। शासनव्यवस्था के अन्तर्गत यह एक महत्वपूर्ण इकाई माना जा सकता है।

Scanned with CamScanner